हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

मुश्किलों से मत डर, ये तो तेरी पहचान बनाएँगी,जो गिरकर भी उठे, वही ज़िंदगी जीना सिखाएँगी।

सोमवार 07 सितंबर 2026 वर्ष 02 अंक 220 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नवगछिया में राघोपुर तटबंध का किया निरीक्षण, बाढ़ तैयारियों की समीक्षा

बेगूसराय में बेगूसराय, मुंगेर और खगड़िया के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक; 24 घंटे सामुदायिक रसोई चलाने का निर्देश

केशववाणी पटना (बिहार)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को भ. ागलपुर के नवगछिया क्षेत्र में राघोपुर तटबंध का निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय स्थित आईओसीएल परिसर के दिनकर गेस्ट हाउस में बेगूसराय, मुंगेर एवं खगड़िया जिलों में बाढ़–2026 की तैयारियों तथा राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के प्रभारी मंत्री एवं प्रभारी सचिवों को अपने–अपने जिलों में निरंतर कैंप कर बाढ़ की स्थिति पर नजर रखने का निर्देश दिया। उन्हा. ने कहा कि अधिकारी लगातार प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की निगरानी करें और आवश्यकता के अनुसार तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे सामुदायिक रसोई का संचालन करने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित लोगों को समय पर भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही पर्याप्त संख्या में मोबाइल मेडिकल टीम, नाव और मोटरबोट की उप. लब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को आपदा सम्पूर्ति पोर्टल को लगातार अपडेट रखने तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश

दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और जरूरतमंद लोगों तक समय पर हरसंभव सहायता पहुंचाई जाए।मुख्यमंत्री ने तटबंधों की लगातार निगरानी करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कहीं कटाव या तटबंध को क्षति पहुंचने की स्थिति उत्पन्न हो तो तत्काल सुरक्षात्मक एवं मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए, ताकि किसी बड़ी समस्या को रोका जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी तेजी से काम करने का निर्देश दिया। इसके तहत रिंग बांध एवं नए स्ट्रेच के निर्माण की योजनाओं पर तेजी से कार्रवाई करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया।

उदेरास्थान बराज एवं नालंदा की नदियों में जलस्तर लगातार घट रहा, जिले में बाढ़ की स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रण में

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट

बिहारशरीफ (नालंदा)। उदेरास्थान बराज सहित नालंदा जिले के विभिन्न अंचलों से होकर गुजरने वाली सभी प्रमुख नदियों में जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और संपूर्ण जिले में स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं सुरक्षित है। आपदा प्रबंधन शाखा, नालंदा से प्राप्त आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार आम नागरिकों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उदेरास्थान बराज के गेज रिपोर्ट के अनुसार बराज के कुल 30 फाटकों में से मात्र 2 गेट ही खुले रखे गए हैं, जबकि शेष 28 गेट पूरी तरह बंद हैं। बराज से वर्तमान में कुल 4,632 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा है, जिसमें डाउनस्ट्रीम में 3,915 क्यूसेक, दायां मुख्य नहर में 407 क्यूसेक और बायां मुख्य नहर में 309 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बराज की अधिकतम सुरक्षित डिजाइन क्षमता 1,59,000 क्यूसेक है, जिसके सापेक्ष वर्तमान डिस्चार्ज बेहद सीमित है तथा जलस्तर लगातार नीचे की ओर जा रहा है। वर्तमान में अपस्ट्रीम जलस्तर 80.34 मीटर तथा डाउनस्ट्रीम जलस्तर 76.00 मीटर दर्ज किया गया है। जिले के विभिन्न अंचलों की स्थिति की समीक्षा में पाया गया है कि बिहारशरीफ, हरनौत, रहुई एवं सिलाव में पंचाने नदी का पानी घट रहा है। वहीं अस्थावां, सरमेरा और बिन्द अंचल में जीराईन, सोईवा, गोईठवा व कुम्भरी नदियों के जलस्तर में खासी कमी आई है। अस्थावां और बिन्द क्षेत्र में तटबंधों की मरम्मती का कार्य शत–प्रतिशत पूरा कर लिया गया है तथा तटबंधों के सुदृढ़ीकरण का कार्य भी जारी है। इसके अतिरिक्त हिलसा, एकंगरसराय, इस्लामपुर, परवलपुर, चंडी एवं करायपरसुराय में लोकाईन, मुहाने व जलवार नदियों का जलस्तर सामान्य बना हुआ है। राजगीर, वेन, गिरियक और कतरीसराय में भी पैमार एवं सकरी नदियों में जलस्तर लगातार कम हो रहा है। जिला प्रशासन नदियों के बहाव और जलस्तर पर चौबीसों घंटे पैनी नजर बनाए हुए है। आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी आपात स्थिति, आ. धिकारिक जानकारी अथवा सहायता के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के दूरभाष– 06112–233168, मोबाइल– 8789858336 पर संपर्क कर सकते

शिक्षकों के सम्मान समारोह में नवल किशोर यादव पर बरसे डॉ. संजीव कुमार, कहा– वित्तरहित शिक्षकों की बदहाली के लिए कौन जिम्मेदार?

सैकड़ों शिक्षकों का सम्मान, डॉ. संजीव कुमार ने कहा– शिक्षक राष्ट्र निर्माता, अपने अधिकारों के लिए हों एकजुट

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट

बिहारशरीफ (नालंदा)। सुमन सागर त्रैमासिक पत्रिका की ओर से रविवार को मंगलास्थान स्थित वेंकट हॉल में 'शिक्षा साहित्य शिखर सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, साहित्य, कला एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सैकड़ों शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कलाकारों को मुख्य अतिथि परबत्ता विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. संजीव कुमार द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभ. ारंभ पत्रिका के संपादक संजीव कुमार एवं आलोक सौरभ कुमार के साथ मुख्य अतिथि डॉ. संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार ने उपस्थित गुरुजनों को नमन करते हुए शिक्षकों को राष्ट्र का निर्माता बताया। उन्होंने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि पिछले करीब 30 वर्षों में शिक्षकों की स्थिति, विशेषकर वित्तरहित शिक्षकों की बदहाली चिंता का विषय रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए जो कार्य अधूरे रह गए हैं, उनका आगामी चुनाव में शिक्षक स्वयं हिसाब लेंगे। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने हितों के लिए एकजुट होकर सशक्त प्रतिनिधि का चुनाव करें। कार्यक्रम के दौरान आरजीएल उच्च विद्यालय, छबीलापुर, बिहारशरीफ की संगीत शिक्षिका राखी कुमारी ने खूबसूरत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि डॉ. संजीव कुमार का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। समारोह में प्रमुख रूप से डॉ. संजय कुमार (लखीसराय), डॉ. राजकुमार (आर. लाल कॉलेज, बरबीघा), राकेश बिहारी शर्मा, डॉ. कुंज बिहारी कुंजेश, उच्च विद्यालय नेरुत के प्रधानाध्यापक चंद्रमौली प्रसाद, संगीत शिक्षिका राखी कुमारी, पटेल उच्च विद्यालय के नरेंद्र कुमार, संदीप मेहता, सिंधु हाई स्कूल के प्राचार्य, उच्च विद्यालय आट के टुनटुन कुमार, उर्दू हाई स्कूल के अशोक कुमार, अजय कुमार,

मोहम्मद शाहजहां, मोहम्मद आफताब आलम, सुजीत कुमार, राकेश कुमार, मनोज कुमार गुप्ता, दिवाकर कुमार, देखबहा के प्रभार केशरी कुमार सहित कई शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बाद डॉ. संजीव कुमार का सर्वोदय नगर स्थित आवास पर शिक्षक–शिक्षिकाओं के बड़े समूह ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान स्मृति कुमारी, स्मिता कुमारी, सुरुचि कुमारी, सुधा कुमारी, सिंधु कुमारी, रेखा कुमारी, शिखा कुमारी, कल्पना, राखी कुमारी सहित अन्य शिक्षिकाओं ने बुके भेंट कर एवं चंदन–रोली का तिलक लगाकर उनका स्वागत किया।इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने आगामी चुनाव में डॉ. संजीव कुमार के समर्थन का संकल्प लिया। शिक्षकों ने उन्हें शिक्षक हितैषी बताते हुए उनके विनम्र स्वभाव और शिष्ट व्यवहार की सराहना की। शिक्षकों ने कहा कि डॉ. संजीव कुमार सम्मान, स्वाभि. ामान, अधिकार और शिक्षक की पुकार बनकर सामने आए हैं। वहीं, डॉ. संजीव कुमार ने भी उपस्थित सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा, "अब वक्त है परिवर्तन का, अब वक्त है एकजुटता का।" उन्होंने शिक्षकों से अपने अधिकारों और सम्मान के लिए एकजुट होकर आगे आने की अपील की।

अस्थावां में सरकारी भूमि से हटाया गया अतिक्रमण, पुलिस प्रशासन ने की कार्रवाई

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट

बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा पुलिस प्रशासन ने सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए कार्रवाई करते हुए अस्थावां थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को नियमानुसार हटवा दिया। रविवार, 6 सितंबर 2026 को पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। पुलिस प्रशासन के अनुसार, सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को नियमानुसार हटाने की कार्रवाई की गई है। संबंधित सरकारी जमीन को अतिक्रमणमुक्त करा लिया गया।नालंदा पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि सरकारी भूमि और सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें। पुलिस ने कहा कि सार्वजनिक एवं सरकारी संपत्ति की सुरक्षा करना और उसे अतिक्रमणमुक्त रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करने तथा अतिक्रमण से बचने की अपील की है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें 7033325120

शिक्षक दिवस पर बिहारशरीफ में टाटा एआईए का सम्मान समारोह, 300 शिक्षक हुए सम्मानित

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट
बिहारशरीफ (नालंदा)। शिक्षक दिवस के अवसर पर टाटा एआईए जीवन बीमा कंपनी की बिहारशरीफ शाखा की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहारशरीफ सहित पूरे नालंदा जिले के करीब 300 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों को सम्मानित कर उनके शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और समाज निर्माण में उनकी भूमिका को सराहा गया। कंपनी के शाखा प्रबंधक मुकेश कुमार ने बताया कि शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन कंपनी की सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) गतिविधि के तहत किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर देशभर में कंपनी की 624 शाखाओं में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान शाखा प्रबंधक मुकेश कुमार ने कंपनी की विभिन्न सेवाओं और बीमा योजनाओं की जानक. ारी भी साझा की। उन्होंने कंपनी की प्रगति और बीमा क्षेत्र में उसके प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि टाटा एआईए लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि कंपनी की ओर से 50 लाख रुपये तक के क्लेम का से. टलमेंट चार घंटे के भीतर किए जाने की सुविधा उपलब्ध है। वहीं, एसआईपी से जुड़े निवेश के संबंध में उन्होंने पिछले पांच वर्षों में 31.69 प्रतिशत रिटर्न मिलने की जानकारी दी। मुकेश कुमार ने लोगों को जीवन बीमा के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि परिवार के कमाने वाले सदस्य का पर्याप्त जीवन बीमा होना बेहद जरूरी है। इससे किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है। उन्होंने बताया कि कंपनी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में बीमा की पहुंच को और व्यापक बनाना है। कार्यक्रम में "Mission 100 NOP" और हमारा संकल्प—Insurance for All" जैसे संदेश भी प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। समारोह में शिक्षकों ने भी कंपनी की ओर से किए गए सम्मान के लिए आभार जताया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के प्रति सम्मान और समाज में उनके योगदान के महत्व को रेखांकित करना रहा।कार्यक्रम मे शामिल टाटा ऐआईऐ के शाखा प्रबंधक के मुकेश कुमार लीडर सीबीए प्रवेश कुमार, उदय यादव, सत्येंद्र पासवान, सत्येंद्र सिंह, प्रदुमन कुमार, राजीव कुमार, मीना कुमारी, गोपेन्दु प्रसाद, एडवाइजर राधेश्याम, सदानंद प्रसाद, कन्हैया कुमार, रामपाल कुमार, शिक्षक धनंजय कुमार, रीना कुमारी अजय भारती, कमलेश प्रसाद, मोहम्मद कमरूद जमा, रामबृक्ष प्रसाद, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

कतरीसराय के कटौना गांव में गहरे पानी में डूबने से एक अधेड़ व्यक्ति की हुई मौत, परिवार वालों में मचा कोहराम

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट
कतरीसराय (नालंदा)। नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के कटौना गांव में रविवार को गहरे पानी में डूबने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान थाना क्षेत्र के कटौना गांव निवासी स्वर्गीय राम कृत सिंह के पुत्र धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वही घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने रविवार की शाम 4रू15 बजे बताया कि धर्मेंद्र कुमार शौच के लिए घर से निकले थे। काफी देर तक वापस घर नहीं लौटने पर परी उनकी खोज करने लगे। इसी दौरान परिवार वालों को पता चला कि गांव के बाहर गहरे पानी में अमृत अवस्था में पड़े हुए हैं। परिवार वालों ने आशंका जाते की आहर में पानी छूने के दौरान गहरे पानी में जाने से उनका मौत हुआ है। वह ही घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को सब्जी में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहार शरीफ भेज दिए। कोई घटना के बाद मृतक की परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

सड़क जाम की प्राथमिकी से ग्रामीणों में आक्रोश, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। तेलमर थाना क्षेत्र के बौरीगंज गांव के समीप 30 अगस्त की देर शाम हुए सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद सड़क जाम करने के मामले में 41 लोगों के खिलाफ प्राथ. मिकी दर्ज होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण बिहारशरीफ स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे और एसपी हृदयकांत को आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा निर्दोष लोगों के नाम प्राथमिकी से हटाने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने मामले की पूरी जांच किए बिना कई ऐसे लोगों को भी नामजद कर दिया है, जो घटना के समय घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। प्राथ. मिकी में नाम आने के बाद ग्रामीणों में गिरफ्तारी का भय बना हुआ है। कई लोग गिरफ्तारी की आशंका के कारण गांव से बाहर चले गए हैं। ग्रामीण राजू कुमार ने बताया कि 30 अगस्त की देर शाम बौरीगंज गांव के समीप ट्रक की चपेट में आने से रौशन कुमार की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के दो छोटे–छोटे बच्चे हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर है। इसी को देखते हुए ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर शव को सड़क पर रखकर बैठे थे। ग्रामीणों का कहना है कि मौके पर डीएसपी और एसडीओ भी पहुंचे थे। अधिकारियों की मौजूदगी में मृतक के परिजनों को 20 हजार रुपये का चेक दिया गया था। ग्रामीणों के मुताबिक उस समय अधिकारियों की ओर से मामले में कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन भी दिया गया था।

अगले दिन प्राथमिकी दर्ज होने से बढ़ा आक्रोश

ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद अगले ही दिन सड़क जाम और आगजनी के मामले में 41 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दी गई। प्राथमिकी में नाम आने के बाद ग्रामीणों के बीच गिरफ्तारी को लेकर डर का माहौल है। ग्रामीणों ने एसपी से मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं रहने वाले लोगों को भी नामजद किया गया है।ग्रामीणों ने एसपी हृदयकांत से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर निर्दोष लोगों के नाम प्राथमिकी से हटाए जाएं तथा मामले में उचित कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि हादसे में युवक की मौत के बाद परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर वे सड़क पर बैठे थे और उनका उद्देश्य किसी प्रकार की अशांति फैलाना नहीं था।

करीब आठ घंटे सड़क जाम रहने का पुलिस का दावा

इधर, तेलमर थानाध्यक्ष चंद्रशेखर कुमार ने ग्रामीणों के आरोपों से अलग पुलिस का पक्ष रखते हुए बताया कि सालेपुर–करौटा मार्ग पर शव को सड़क पर रखकर आगजनी की गई थी। इस दौरान करीब आठ घंटे तक सड़क को अवरुद्ध रखा गया, जिससे आम लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। थानाध्यक्ष के अनुसार वरीय अधिकारियों की ओर से ग्रामीणों को समझाने और आवश्यक आश्वासन देने के बावजूद बार–बार मुआवजे की मांग की जा रही थी। उन्होंने बताया कि सरकारी कार्य में बाधा डालने, सड़क अवरुद्ध करने और आगजनी किए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल ग्रामीणों ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्राथमिकी में नामजद सभी लोगों की घटना में वास्तविक भूमिका थी या नहीं।

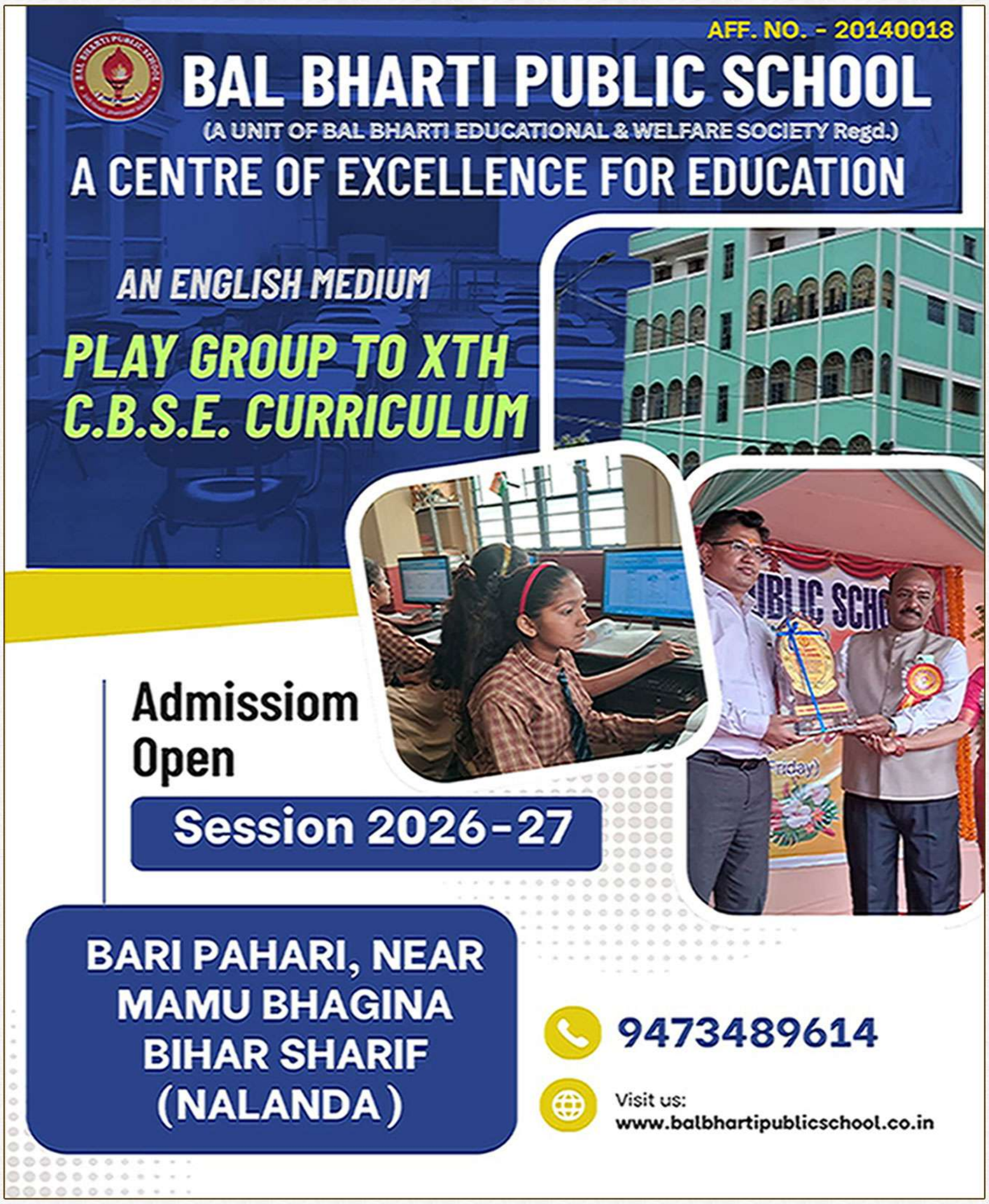

चेरो गांव में आम रास्ते पर अतिक्रमण का आरोप, पीड़ित परिवार ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

वर्षों से अधिकारियों के चक्कर लगाने का दावा, 2023 के लोक शिकायत आदेश का अनुपालन नहीं होने का लगाया आरोप

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड क्षेत्र के चेरो गांव में आम रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच वर्षों से चला आ रहा विवाद अब जिलाधिक. ारी के जनता दरबार तक पहुंच गया है। गांव निवासी राम भगवान राम की पत्नी रिंकू देवी ने जनता दरबार में जिलाधिकारी को आवेदन देकर आम रास्ते पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर रास्ते को अतिक्रमणमुक्त कराने और आवागमन बहाल कराने की मांग की है। आवेदन में रिंकू देवी ने आरोप लगाया है कि गांव के जिस आम रास्ते को लेकर विवाद है, उस पर पूर्व में ईंट सोलिंग, नाली निर्माण, पीसीसी सड़क तथा नल–जल योजना से संबंधित कार्य कराया जा चुका है। ग्रामीण लंबे समय से इस रास्ते का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। आरोप है कि गांव के ही विजय यादव, पिता स्व. ईश्वर यादव द्वारा निजी स्वार्थ के लिए उक्त रास्ते पर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे लोगों के आवागमन में परेशानी हो रही है। पीड़ित राम भगवान राम ने बताया कि रास्ते से जुड़े विवाद को लेकर पूर्व में भी कई बार संबंधित पदाधिकारियों को लिखित आवेदन दिया गया है। उन्होंने बताया कि अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा 3 अप्रैल 2023 को मामले में अंतिम आदेश भी पारित किया गया था। इसके बावजूद आदेश का अनुपालन नहीं होने का उन्होंने आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अंचल कार्यालय हरनौत और चेरो ओपी में शिकायत करने के बावजूद मामले का स्थायी समाधान नहीं हो सका। उन्होंने खसरा संख्या 2175, 2176 और 2171 से जुड़े विवाद का शीघ्र निष्पादन कराने की मांग जिलाधिकारी से की है। साथ ही पूर्व में दिए गए आवेदनों और पारित आदेशों की प्रतियां भी आवेदन के साथ संलग्न किए जाने की बात कही है। पीड़ित परिवार के पुत्र कृत कुमार और कित कुमार ने बताया कि रास्ते पर अतिक्रमण होने के कारण परिवार के सदस्यों को आने–जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ दिन पूर्व रास्ते को लेकर विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद उल्टे ही उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करा दी गई। परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर आम रास्ते की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए तथा यदि रास्ता सार्वजनिक उपयोग का है तो उसे अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। साथ ही पूर्व में पारित लोक शिकायत आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने की भी मांग की गई है।

आवेदन में रिंकू देवी ने लंबे समय से विवाद का समाधान नहीं होने के कारण मानसिक रूप से परेशान होने की बात कही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मामले का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वह आत्महत्या जैसा कदम उठा सकती हैं। हालांकि, प्रशासन से उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।इस संबंध में चेरो ओपी अध्यक्ष सर्वेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के घर आमने–सामने हैं और रास्ते से निकलने को लेकर दोनों पक्षों के बीच अक्सर गाली–गलौज, विवाद और मारपीट की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। उन्होंने बताया कि मामला करीब 10 वर्ष पुराना है और इसकी न्यायिक प्रक्रिया कोर्ट में चल रही है। अंचलाधिकारी रीता कुमारी ने बताया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट से आदेश पारित होने के बाद ही मामले की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

साइबर ठगी में इस्तेमाल सिम जारी करने वाला PoS एजेंट गिरफ्तार, नालंदा पुलिस ने मोबाइल दुकान में मारा छापा

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। साइबर अपराध और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ नालंदा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी में इस्. तेमाल किए जा रहे सिम कार्ड जारी करने के आरोप में एक PoS एजेंट/सिम विक्रेता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोहसराय थाना क्षेत्र के खासगंज स्थित टिंकू मोबाइल दुकान में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो PoS ID संचालित स्क्रीन टच मोबाइल, दो फिंगरप्रिंट मशीन तथा ग्राहकों के आधार विवरण और हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान वाले दस्तावेज एवं फॉर्म बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुड्डू कुमार (45 वर्ष), पिता श्री कृष्णा प्रसाद, निवासी जलालपुर, थाना सोहसराय, जिला नालंदा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर प्राप्त शिकायतों के तकनीकी विश्लेषण और सत्यापन के दौरान कुछ मोबाइल नंबरों का संबंध विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर अपराध एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाओं से सामने आया। इसके बाद प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर नालंदा साइबर थाना पुलिस ने सोहसराय थाना क्षेत्र के खासगंज स्थित टिंकू मोबाइल दुकान में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने ग्राहकों के आधार विवरण के साथ उनके हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान वाले दस्तावेज एवं फॉर्म बरामद किए। जांच के दौरान सिम कार्ड जारी करने वाले गुड्डू कुमार की भूमिका सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में नालंदा साइबर थाना में कांड संख्या 207/26, दिनांक 5 सितंबर 2026 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने विधिवत न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस की कार्रवाई में नालंदा साइबर थाना के पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष, पु०अ०नि० शैलेश कुमार झा, पु०अ०. नि० कुन्दन कुमार, सिपाही पुनेश कुमार, सिपाही ऋतु राज, सिपाही करण कुमार, सिपाही चंदन कुमार, गृह रक्षक करण कुमार एवं संदीप कुमार, सशस्त्र बल साइबर थाना तथा जिला आसूचना इकाई की टीम शामिल रही। नालंदा पुलिस ने आम लोगों से साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि फोन कॉल, व्हाट्सऐप कॉल, SMS या विज्ञापन के माध्यम से मिलने वाली किसी भी सूचना पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, आधार विवरण या अन्य निजी जानकारी साझा नहीं करें। पुलिस ने लोगों से अपील की हैकृसतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया रेलखंड के दोहरीकरण का काम जल्द होगा शुरू

करनौती–बिहारशरीफ के 26.29 किमी हिस्से के लिए 575 करोड़ का ई–टेंडर जारी, 810 दिनों में पूरा होगा काम

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। वर्षों के इंतजार, डीपीआर तैयार होने और केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद आखिरकार बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया रेलखंड के दोहरीकरण की परियोजना जमीन पर उतरने जा रही है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय की ओर से करनौती से बिहारशरीफ तक करीब 26.292 किलोमीटर लंबे रेलखंड के दोहरीकरण के लिए शनिवार को आधिकारिक ई–टेंडर जारी कर दिया गया है। करीब 575.14 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन) मॉडल पर पूरा किया जाएगा। टेंडर में करीब 11.50 करोड़ रुपये की धरोहर राशि निर्धारित की गई है। 28 सितंबर को प्री–बिड कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी, जबकि इच्छुक एजेंसियां 30 दिसंबर तक अपनी बोलियां जमा कर सकेंगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित एजेंसी को 810 दिनों यानी करीब सवा दो वर्ष में निर्माण कार्य पूरा करना होगा। दोहरीकरण परियोजना के तहत अर्थवर्क, ब्लैंकेटिंग, छोटे–बड़े पुल, एलएचएस, आरयूबी, नई रेल लाइन, प्लेटफॉर्म, स्टेशन भवन, फुटओवर ब्रिज, सिग्नल एवं टेलीकॉम व्यवस्था समेत विद्युत उपयोगिता के स्थानांतरण से जुड़े कार्य किए जाएंगे। पूरा ढांचा 25 टन प्रति एक्सल के मानक इंडियन रेलवे लोडिंग के अनुरूप तैयार किया जाएगा। रेल लाइन के लिए करनौती से हरनौत के बीच वर्तमान लाइन के पश्चिमी हिस्से में नई लाइन बिछाने की योजना है। इसके बाद भौगोलिक एवं तकनीकी जरूरत के अनुसार अलग–अलग हिस्सों में पूर्व और पश्चिम दिशा में नई लाइन का निर्माण किया जाएगा। परियोजना में रेल सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया है। इस रेलखंड में मौजूद 31 रेल गुमटियों को अंडरपास में बदला जाएगा। इसके अलावा हरनौत, बिहारशरीफ और राजगीर को छोड़कर अन्य स्टेशनों एवं हॉल्टों पर 25 नए फुटओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। इससे रेल यात्रियों और स्थानीय लोगों को रेलवे लाइन पार करने में होने वाली परेशानी और दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा। बख्तियारपुर–राजगीर–तिलैया रेलखंड झारखंड की कोयला खदानों से बरौनी, बाढ़ एनटीपीसी समेत कई बड़े ताप विद्युत संयंत्रों और औद्योगिक इकाइयों तक कोयला पहुंचाने वाला महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर है। इस मार्ग से रोजाना करीब 20 मालगाड़ियां गुजरती हैं। रेलखंड के दोहरीकरण के बाद मालगाड़ियों के परिचालन की क्षमता बढ़ने के साथ माल ढुलाई में तेजी आने की उम्मीद है। इसके अलावा यात्री ट्रेनों की गति और समय–पालन में भी सुधार होगा। करीब 102 किलोमीटर लंबे पूरे दोहरीकरण प्रोजेक्ट के पूरा होने से पटना और नालंदा के साथ गया एवं नवादा जैसे आकांक्षी जिलों के करीब 1,434 गांवों की 13 लाख से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। दोहरीकरण के बाद राजगीर, पावापुरी और नालंदा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी और सुगम होगी। खासकर बुद्ध सर्किट से जुड़े इन वैश्विक पर्यटन केंद्रों तक आने वाले पर्यटकों के लिए रेल यात्रा पहले की तुलना में अधिक तेज और सुविधाजनक हो सकेगी। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र में यात्री और माल परिवहन दोनों को मजबूती मिलने के साथ–साथ नालंदा, नवादा, गया और आसपास के इलाकों के आर्थिक एवं पर्यटन विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें 7033325120

समरसता संकल्प अभियान: इमादपुर रविदास टोला में पवित्र मिट्टी कलश की पूजा एवं वृक्षारोपण

संत रविदास जी के जन्मस्थल की पवित्र मिट्टी से बेलपत्र का पौधा रोपकर लिया समरस समाज का संकल्प

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट

बिहारशरीफ(नालंदा)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी, बिहार शरीफ नगर उत्तरी मंडल द्वारा रविवार को इमादपुर स्थित रविदास टोला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष संदीप कुमार ने की, जबकि संचालन नगर उपाध्यक्ष रामजतन आर्य ने किया। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी के जन्मस्थल सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से लाई गई पवित्र मिट्टी से भरे कलश की विधिवत स्थापना कर पूजा–अर्चना की गई। इसके बाद शिव मंदिर के समीप उसी पवित्र मिट्टी में बेलपत्र का पौधा रोपित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और समानता पर आधारित समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला मंत्री सह कार्यक्रम सह–संयोजक अमरेश कुमार ने कहा कि संत रविदास जी को 'संत शिरोमणि' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने आध्यात्मिक ज्ञान, समाज सुधार के कार्यों और मानवतावादी विचारों के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने अपने दोहों और पदों के माध्यम से समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव, ऊंच–नीच और छुआछूत का विरोध करते हुए मानव–मानव की एकता और समानता का संदेश दिया। वे मेहनत और ईमानदारी के कार्य को महत्व देते थे और कर्म को जीवन में सर्वोच्च स्थान देते थे। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी, बिहार शरीफ नगर उत्तरी मंडल द्वारा रविवार को इमादपुर स्थित रविदास टोला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष संदीप कुमार ने की, जबकि संचालन नगर उपाध्यक्ष रामजतन आर्य ने किया। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी के जन्मस्थल सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से लाई गई पवित्र मिट्टी से भरे कलश की विधिवत स्थापना कर पूजा–अर्चना की गई। इसके बाद शिव मंदिर के समीप उसी पवित्र मिट्टी में बेलपत्र का पौधा रोपित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और समानता पर आधारित समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला मंत्री सह कार्यक्रम सह–संयोजक अमरेश कुमार ने कहा कि संत रविदास जी को 'संत शिरोमणि' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने आध्यात्मिक ज्ञान, समाज सुधार के कार्यों और मानवतावादी विचारों के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने अपने दोहों और पदों के माध्यम से समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव, ऊंच–नीच और छुआछूत का विरोध करते हुए मानव–मानव की एकता और समानता का संदेश दिया। वे मेहनत और ईमानदारी के कार्य को महत्व देते थे और कर्म को जीवन में सर्वोच्च स्थान देते थे।अमरेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा संत रविदास जी के सामा. जिक समता और श्रम की संस्कृति के सम्मान के विचारों को आगे बढ़ाते हुए समरस समाज के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। पवित्र मिट्टी से भरे कलश की स्थापना और पौधारोपण इसी सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित लोगों ने संत रविदास जी के प्रसिद्ध दोहे का स्मरण किया"ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट बड़ो सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न।। कार्यक्रम में जिला मंत्री अमरेश कुमार, नगर अध्यक्ष संदीप कुमार, नगर उपाध्यक्ष रामजतन आर्य, अनुसूचित जाति मोर्चा नगर अध्यक्ष राजकमल पासवान, बाढ़ों रविदास, मुकेश रविदास, अधिवक्ता विजय दास, अवधेश दास, रविंद्र रविदास, आनंद रविदास, रामविलास रविदास, विनोद रविदास, रामबचन रविदास सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईसीआरकेयू हरनौत शाखा का चौथा त्रैवार्षिक सम्मेलन संपन्न, महेश महतो अध्यक्ष और पूर्णानंद मिश्र सचिव चुने गए

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट

हरनौत(नालंदा)। सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना (सडिमका), हरनौत में शनिवार, 5 सितंबर 2026 को ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) हरनौत शाखा का चौथा त्रैवार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में रेलवे कर्मचारियों के विभिन्न मुद्दों, संगठन की मजबूती और आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान अगले तीन वर्षों के लिए 26 सदस्यीय शाखा प्रतिनिधिमंडल का सव. र्सम्मति से चयन किया गया। सम्मेलन में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) के उपाध्यक्ष सह ईसीआरकेयू के महासचिव कामरेड एसएनपी श्रीवास्तव, ईसीआरकेयू के वरिष्ठ नेता कामरेड बीके सिंह, नवादा शाखा के शाखा अध्यक्ष चंद्रिका यादव, संयुक्त सचिव सत्येंद्र प्रसाद, युवा प्रतिनिधि जयराम तथा विशेष अतिथि के रूप में मुख्य कारखाना प्रबंधक आरआर प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष महेश महतो ने की, जबकि संचालन एवं नेतृत्व शाखा सचिव पूर्णानंद मिश्र ने किया। सम्मेलन की शुरुआत शहीद बेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद आगंतुक अतिथियों का बुके और माला पहनाकर स्वागत किया गया। सम्मेलन में अगले तीन वर्षों के लिए ईसीआरकेयू हरनौत शाखा की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें महेश महतो को शाखा अध्यक्ष, पूर्णानंद मिश्र को शाखा सचिव और मनोज मिश्र को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा बच्चालाल प्रसाद को कार्यकारी अध्यक्ष, प्रमोद कुमार गौतम एवं रंजीत कुमार को उपाध्यक्ष, रमेश राम एवं बिपिन कुमार को संयुक्त सचिव, राकेश रंजन एवं अशोक कुमार को सहायक सचिव, धीरेन्द्र कुमार, गिरिजा प्रसाद और पूनम कुमारी को संगठन की जिम्मेदारी दी गई। अखिलेश कुमार, सीसीएम बासुकीनाथ उपाध्याय, डीटीजीएम मंजय कुमार, पवन कुमार, मृत्युंजय चौबे, अम्बुज कुमार, पवन कुमार (टीएल), विजय कुमार, विनय कुमार, संजीत पासवान, कृष्णा कुमार, सत्येंद्र कुमार एवं बबलू कुमार को भी विभिन्न दायित्वों के लिए चुना गया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए ईसीआरकेयू के महासचिव कामरेड एसएनपी श्रीवास्तव ने ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के इतिहास और रेलवे कर्मचारियों के अधिकारों के लिए किए गए संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन का लाल झंडा उन शहीद रेलवे कर्मचारियों के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने डीए, बोनस, इंक्रीमेंट, छुट्टी समेत कर्मचारियों के विभिन्न

अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए अपनी जान तक गंवाई। एनपीएस और यूपीएस के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि एनसीजेसीएम की ओर से पहले ही ओपीएस के मुद्दे पर स्पष्ट मांग रखी गई थी कि यदि सरकार पुरानी पेंशन योजना बहाल करने में असहज महसूस करती है तो योजना का नाम कुछ भी हो, कर्मचारियों को कम से कम 50 प्रतिशत गारंटेड पेंशन मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से लाई गई यूपीएस में ओपीएस की करीब 90 प्रतिशत मांगों को शामिल किया गया है। अब मुख्य मुद्दा कर्मचारियों के वेतन से की गई कटौती की राशि को वापस करने से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि एआईआरएफ कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यूपीएस में भी आवश्यक सुधार कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। एसएनपी श्रीवास्तव ने कहा कि आठवां वेतन आयोग अपना अध्ययन कर रहा है और एआईआरएफ की ओर से कर्मचारियों की मांगों को मजबूती से रखा गया है। उन्होंने कहा कि पारिवारिक खर्च की गणना के लिए निर्धारित यूनिट को तीन के बजाय पांच करने का प्रस्ताव दिया गया है, जिसमें माता–पिता को भी शामिल करने की मांग है। वेतन आयोग की रिपोर्ट सामने आने के बाद संगठन की ओर से आगे की रणनीति तय की जाएगी।उन्होंने रेलवे में रिक्त पदों को भरने, रिस्ट्रक्चरिंग और आउटसोर्सिंग के मुद्दे पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि रेलवे में पदों को कम करने और आउटसोर्सिंग बढ़ाने से युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आउटसोर्स कर्मचारियों को कम मजदूरी मिलने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि महंगाई के दौर में 8–10 हजार रुपये की राशि में किसी परिवार का भरण–पोषण करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने हरनौत रेल कारखाना के विस्तार एवं विकास से जुड़े मुद्दों को रेलवे बोर्ड के पीएनएम में उठाने की बात कही। कर्मचारियों की समस्याओं के लिए लगातार संघर्ष कर रही ईसीआरकेयू रू पूर्णानंद मिश्र शाखा सचिव पूर्णानंद मिश्र ने पिछली कार्यकारिणी का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए कहा कि ईसीआरकेयू सडिमका हरनौत शाखा लगातार कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रही है। चाहे डीएआर का मामला हो, चिकित्सा सुविधा से जुड़ी समस्या हो या अन्य कर्मचारी हित के मुद्दे, संगठन ने हर स्तर पर आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि नई मान्यता प्राप्त यूनियन कर्मचारियों के हितों की रक्षा में अपेक्षित भूमिका निभाने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेफरेंडम के कुछ ही दिनों बाद कारखाना आने–जाने वाले कर्मचारियों के लिए उपलब्ध कराई गई ट्रेन सुविधा वापस ले ली गई। उन्होंने कारखाना में बिना सूचना बिजली कटौती, कैंटीन के मनमाने ढंग से बंद किए जाने समेत अन्य समस्याओं का भी उल्लेख किया। पूर्णानंद मिश्र ने कहा कि ईसीआरकेयू की ओर से कारखाना में आउटसोर्सिंग बंद कर रेलवे के खर्च को कम करने, मेमू कोच का पीओएच हरनौत में कराने तथा कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर बनी आशंकाओं को दूर करने की मांग की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कारखाना कर्मचारियों के स्थानांतरण या छंटनी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी यूनियन की ताकत उसके सदस्यों की एकजुटता से होती है। उन्होंने कर्मचारियों से ईसीआरकेयू की सदस्यता लेने की अपील की और कहा कि कर्मचारियों की सदस्यता ही संगठन को बड़े से बड़े संघर्ष को मजबूती से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है। मुख्य कारखाना प्रबंधक आरआर प्रताप ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ईसीआरकेयू की ओर से समय–समय पर कर्मचारियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया जाता है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन की ओर से हरसंभव प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम के अंत में महासचिव एसएनपी श्रीवास्तव, मुख्य कारखाना प्रबंधक आरआर प्रताप सहित बाहर से आए सभी अतिथियों ने ईसीआरकेयू हरनौत शाखा की नवनिर्वाचित टीम का स्वागत किया और कर्मचारियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संगठन को और मजबूत बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं।